दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

1
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 8 जुलाई 2021 | 7009010789 - 94175-85949

43 नए मंत्रियों ने शपथ ली

PM मोदी ने मंत्रियों के विभाग बांटे

प्रधान को शिक्षा, मनसुख को हैल्थ तो हरदीप पुरी को बनाया गया पैट्रोलियम मंत्री

नरेंद्र मोदी सरकार में व्यापक फेरबदल हुआ। 43 नए मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें 15 कैबिनेट रैंक के हैं। उससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 12 मंत्रियों के इस्तीफे स्वीकार किए। शपथ ग्रहण के बाद मोदी कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या 77 हो गई है। प्रधानमंत्री ने विभागों का भी बंटवारा कर दिया है। मंगलवार को जिस सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया था, उसकी जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को दी गई है। ज्योतिरादित्य सिंधिया को नागरिक उड्डयन तो धर्मेंद्र को शिक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। मनसुख मनसुख मंडाविया नए स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं। असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल को पोर्ट्स, शिपिंग एंड वाटरवेज तथा आयुष मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। प्रमोशन पाने वाले अनुराग ठाकुर को युवा ओर खेल मामलों का मंत्री बनाया गया है। उन्हें सूचना और प्रसारण मंत्रालय की भी जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह हरदीप पुरी को पैट्रोलियम मंत्री बनाया गया है। वे पहले की तरह शहरी विकास भी देखते रहेंगे। इससे पहले 43 नेताओं ने राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण की। इस दौरान वहां राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। इसके अलावा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले प्रकाश जावड़ेकर और रविशंकर प्रसाद भी समारोह में मौजूद दिखे।

महाराष्ट्र से आने वाले नारायण राणे ने सबसे पहले शपथ ली है, जबकि असम के पूर्व सीएम सर्वानंद सोनेवाला ने दूसरे नंबर पर शपथ ली। तीसरे नंबर पर वीरेंद्र कुमार ने और चौथे नंबर पर मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया शपथ लेते नजर आए। इसके बाद हरदीप सिंह पुरी, मनसुख मांडविया, भूपेंद्र यादव, पशुपति कुमार पारस, किरण रिजिजू और राम कुमार सिंह ने भी शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में नए मंत्रिमंडल के लिए शपथ लेने वाले सभी 43 नाम हैं 1. नारायण राणे 2. सर्बानंद सोनोवाल 3. वीरेंद्र कुमार 4. ज्योतिरादित्य सिंधिया 5. आरसीपी सिंह 6. अश्विनी वैष्णव 7. पशुपति कुमार पारस 8. किरण रिजिजू 9. राजकुमार सिंह 10. हरदीप सिंह पुरी 11. मनसुख मंडाविया 12. भूपेंद्र यादव 13. पुरुषोत्तम रूपाला 14. जी किशन रेड्डी 15. अनुराग ठाकुर 16. पंकज चौधरी 17. अनुप्रिया पटेल 18. सत्यपाल सिंह बघेल 19. राजीव चंद्रशेखर 20. शोभा करंदलाजे 21. भानुप्रताप सिंह वर्मा 22. दर्शना विक्रम जरदोश 23. मीनाक्षी लेखी 24. अन्नपूर्णा देवी 25. ए नारायण स्वामी 26. कौशल किशोर 27. अजय भट्ट 28. बीएल वर्मा 29. अजय कुमार 30. देवसिंह चौहान 31. भगवंत खूबा 32. कपिल पाटिल 33. प्रतिमा भौमिक 34. सुभाष सरकार 35. भगवत कृष्ण राव कराड़ 36. राजकुमार रंजन सिंह 37. भारती प्रवीण पवार 38. विश्वेश्वर टुडू 39. शांतनु ठाकुर 40. महेंद्र भाई मुंजापारा 41. जॉन बारला 42. एल मुरुगन 43. नीतीश प्रामाणिक।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी कैबिनेट का विस्तार से पहले शपथ लेने वाले सभी नेताओं की सूची को राष्ट्रपति भवन भेजा गया था। वहीं 12 मंत्री ऐसे थे जिन्होंने इस सियासी हलचल में अपना इस्तीफा सौंपा। इन 12 नामों में आईटी मंत्री रविशंकर प्रसाद और पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर का नाम भी शामिल है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता वीरभद्र सिंह का निधन

हिमाचल प्रदेश के 6 बार रह चुके थे मुख्यमंत्री

शिमला- हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता वीरभद्र सिंह का लंबी बीमारी से जूझने के बाद गुरुवार तड़के निधन हो गया। कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह ने 87 साल की उम्र में इंदिरा गांधी मैडीकल कॉलेज और अस्पताल, शिमला में आखिरी सांस ली। इस अस्पताल के मैडीकल सुपरिटेंडैंट डा. जनक राज ने इसकी जानकारी दी। डा. जनक राज ने बताया, पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह जी का यहां इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुबह करीब चार बजे मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण निधन हो गया। 87 वर्षीय वीरभद्र सिंह पहले कोरोना वायरस से पीड़ित थे और उन्हें 13 अप्रैल को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि कोरोना से ठीक होने और अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उनकी तबीयत फिर से बिगड़ गई और उन्हें आईजीएमसी में कुछ दिनों पहले ही भर्ती कराया गया था। वह बीते दो दिनों से वैंटिलेटर पर थे। वीरभद्र सिंह हिमाचल प्रदेश के 6 बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 12 अप्रैल को 11 जून को वह दो बार कोरोना वायरस से ग्रसित पाए गए थे, जिसके बाद उनकी तबीयत अक्सर खराब रहने लगी। वह नौ बार विधायक और पांच बार सांसद भी रह चुके हैं। वीरभद्र सिंह के परिवार में पत्नी प्रतिभा सिंह, पुत्र एवं शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह और पुत्री अपराजिता सिंह हैं।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 8 जुलाई 2021 | 7009010789 - 94175-85949

पंजाब में और गहराया संकट बीबीएमबी से अधिक बिजली उत्पादन की अपील

तलवंडी साबो प्लांट की तीसरी यूनिट में भी खराबी

चंडीगढ़ /पटियाला – पंजाब में बिजली का संकट हल होता नहीं दिख रहा है। इस बीच पीएसपीसीएल ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र लिखकर बिजली उत्पादन बढ़ाने की मांग की है। उधर, तलवंडी साबो पावर प्लांट की तीसरी यूनिट में तकनीकी खराबी आ गई है। इस वजह से प्लांट में 50 फीसदी ही बिजली का उत्पादन हो पा रहा है। बिजली संकट गहराता जा रहा है। धान की रोपाई और भीषण गर्मी से राज्य में बिजली की मांग अब 13000 मैगावाट से अधिक हो गई है। इस संकट से उभरने के लिए पंजाब राज्य बिजली निगम लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से बिजली उत्पादन बढ़ाने को कहा है। उधर, तलवंडी साबो स्थित पावर प्लांट की तीसरी यूनिट में भी खराबी आई गई है।

बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने और राज्य में उपभोक्ताओं को 8 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति करना अब पीएसपीसीएल के लिए चुनौती साबित हो रहा है। बिजली संकट से उबरने के लिए अब पीएसपीसीएल ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड से मदद मांगी है। पीएसपीसीएल की ओर से बीबीएमबी को बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा है। पीएसपीसीएल के सीएमडी ए वेणु प्रसाद ने बीबीएमबी के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव को पत्र लिखकर उत्पादन बढ़ाने का अनुरोध किया है। साथ ही बीबीएमबी को भाखड़ा परियोजना से अधिक बिजली पैदा करने के तौर-तरीकों का पता लगाने और सिंचाई के उद्देश्य से नहर प्रणाली में पानी बढ़ाने और 24 घंटे सभी उपलब्ध इकाइयों को चलाने को कहा है। सीएमडी प्रसाद ने बताया कि मानसून की देरी के कारण यह हालात पैदा हुए हैं। हालांकि पीएसपीसीएल के स्तर से बिजली संकट से उभरने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं, जल्द ही इस समस्या से राज्य को निजात मिल पाएगी।

राज्य के पास अभी 12810 मेगावाट बिजली-पंजाब के पास मांग के अनुरूप अभी काफी कम बिजली है। पंजाब को केंद्रीय क्षेत्र से 3864 मेगावाट बिजली मिल रही है। 2195 मेगावाट बिजली राज्य खरीद रहा है। बायोगैस और सौर ऊर्जा सहित अन्य सभी माध्यमों के जरिए पंजाब अभी तक 12810 मेगावाट बिजली ही जुटा पा रहा है, जबकि राज्य में अभी 13000 मेगावाट से अधिक की मांग है।

तलवंडी साबो प्लांट से बिजली उत्पादन में 50 फीसदी की कमी -पंजाब में बिजली संकट बुधवार को और गहरा गया, जब तलवंडी साबो थर्मल के एकमात्र चालू तीसरी यूनिट में भी तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते इस यूनिट से बिजली उत्पादन 50 फीसदी कम हो गया। जबकि इस प्लांट की दो यूनिट पहले ही तकनीकी खराबी के चलते बंद पड़ीं हैं। ऐसे में बिजली आपूर्ति में और कमी से पंजाब के विभिन्न हिस्सों में लोगों को बुधवार को अघोषित कटों का सामना करना पड़ा। वहीं किसानों को भी पांच से छह घंटे ही बिजली मिल सकी।

बादले बोले...- इस बीच शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कहा है कि पंजाब बिजली संकट से जूझ रहा है। मुझे विभिन्न उद्योगपतियों के फोन आ रहे हैं कि हमें बचाओ। उन्होंने कहा कि हमारे आर्डर रद्द हो रहे हैं क्योंकि कारखानों में बिजली नहीं होने के कारण काम नहीं हो रहा। उद्योगों को भारी नुकसान हो रहा है। कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने पिछले 4-5 सालों में एक भी थर्मल/सौर प्लांट नहीं लगाया है। उन्होंने बठिंडा और रोपड़ थर्मल प्लांट भी बंद कर दिए। मैं कैप्टन से अपील करता हूं कि वे कहीं से भी बिजली खरीद लें और उद्योगों को बचाएं।

डा. हर्षवर्धन की विदाई न सुधार सके सेहत, न डाक्टरों का जीता भरोसा

साल 2014 में मोदी सरकार के पहले स्वास्थ्य मंत्री थे

नई दिल्ली – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में एक बार फिर डा. हर्षवर्धन को स्वास्थ्य मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। साल 2014 में मोदी सरकार के पहले स्वास्थ्य मंत्री रहे डा. हर्षवर्धन को चंद महीने बाद ही कुर्सी छोड़नी पड़ी और फिर जेपी नड्डा पूरे कार्यकाल तक स्वास्थ्य मंत्री रहे लेकिन साल 2019 में फिर से मोदी सरकार बनने पर डा. हर्षवर्धन को दोबारा स्वास्थ्य मंत्री बनने का मौका दिया गया, लेकिन ठीक दो साल 38 दिन बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ गया क्योंकि इस दौरान कोरोना महामारी के बीच उनसे न सेहत सुधर सकी और न ही देश का चिकित्सक वर्ग उन पर भरोसा कर सका। इनकी निगरानी में प्रधानमंत्री कार्यालय से गठित मंत्री समूह की जिम्मेदारी भी ठीक तरीके से नहीं निभा सके। स्थिति यह रही कि देश में दवाओं की खुलेआम कालाबाजारी चलती रही। रेमडेसिविर, टोसिलिजुमैब, प्लाज्मा, आइवरमेक्टिन सहित तमाम दवाओं के लिए लोगों को धक्के खाने पड़े। अस्पतालों में बिस्तरों से लेकर ऑक्सीजन का संकट छाया रहा और दूसरी लहर में लाखों लोगों की मौत हुई। इन सब के बीच सरकार की साख पर सवाल खड़े होने लगे लेकिन हद तब हुई जब बाबा रामदेव और एलोपैथी प्रकरण को भी वेसंभाल न सके। इस

प्रकरण को शांत करने और एलोपैथी चिकित्सकों में भरोसा कायम रखने के लिए बीते एक जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे आए और इंडियन मैडकल एसोसिएशन (आईएमए) के कायक्रम में सभी चिकित्सकों को संबोधित करना पड़ा। स्वास्थ्य मंत्रालय के ही अधिकारियों की मानें तो स्वास्थ्य मंत्री पिछले साल ही बैकपुट पर चले गए थे जब कोरोना महामारी की शुरुआत हुई और प्रधानमंत्री कार्यालय से फैसले लिए जाने लगे। दिन ब दिन बिगड़ती स्थिति को संभालने के लिए पीएमओ को सभी कार्य छोड़ हस्तक्षेप बढ़ाना पड़ा। वर्तमान में स्थिति यह है कि कोविड-19 को लेकर सरकार के सभी एम्पॉवर्ड ग्रुप में पीएमओ के उच्च अधिकारी भी शामिल हैं। चर्चा यहां तक है कि स्वास्थ्य मंत्री का कार्यकाल अब तक केवल सोशल मीडिया पर ही चलता रहा। बाकी कार्य छोड़ कभी छत्तीसगढ़ तो कभी महाराष्ट्र और फिर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के साथ राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चलता रहा। महामारी से लड़ने के लिए सरकार ने करीब एक दर्जन से अधिक मंत्रालयों का एक समूह बनाया जिसकी अध्यक्षता डा. हर्षवर्धन कर रहे थे। अभी तक इस समूह की 29 बार बैठक पिछले डेढ़ साल में हो चुकी है लेकिन इस साल जनवरी माह के बाद फरवरी और मार्च में मंत्री समूह की कोई बैठक ही नहीं हुई। ये समय वह था जब वायरस के म्यूटेशन होते चले गए और कोविड सतर्कता नियमों पर ध्यान न रखते हुए देश एक बड़े संकट में आकर खड़ा हो गया।

दोआबा TV रिपोर्टर
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

दोआबा रिपोर्टर

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985

News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 8 जुलाई 2021 | 7009010789 - 94175-85949

'बेकार है सत्यनारायण व भागवत कथा, विज्ञान के खिलाफ है'

गुजरात में AAP प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ FIR

गुजरात में आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। उन पर हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लग रहे हैं। 'हिन्दू आईटी सेल' के अनुज मिश्रा ने ये मामला दर्ज कराया है। 'हिन्दू आईटी सेल' ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि गोपाल इटालिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसे FIR में तबदील किया गया है। साथ ही गुजरात पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की। शिकायत में कहा गया है कि गोपाल इटालिया के राज्य में सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं, ऐसे में उन्होंने एक वीडियो के जरिए हिन्दू देवी-देवताओं और रीति-रिवाजों का मजाक उड़ाया है, जिसे कई लोगों ने देखा। आरोप है कि गोपाल इटालिया ने कहा था, अगर आपको मेरी बातें पसंद नहीं हैं तो आप मुझे ब्लॉक कर के निकल लीजिए, क्योंकि मुझे आपकी जरूरत नहीं है। इसके बाद उन्होंने हिन्दू पर्व-त्यौहारों का नाम लिया। गोपाल इटालिया ने कहा, लोग सत्यनारायण कथा और भागवत कथा जैसी बहुत सारी गैर-जरूरी चीजों पर रुपए खर्च कर रहे हैं। इन चीजों का कोई उपयोग ही नहीं है और ये अवैज्ञानिक हैं। अब भी लोगों को ये नहीं पता है कि ये सब कर के उन्हें क्या लाभ मिलेगा। ये सब कर के लोग दूसरों का समय भी जाया करते हैं। अगर हम इन चीजों पर 5 पैसा भी खर्च करते हैं, तो हमें मनुष्य की तरह जीवन जीने का कोई अधिकार नहीं है। गोपाल इटालिया ने आगे कहा था, मैं ऐसे लोगों से शर्मिंदा हूं (सत्यनारायण कथा और भागवत कथा कराने वाले)। मुझे इनसे काफी गुस्सा आता है। रीति-रिवाजों और संस्कृति के नाम पर हिजड़ों की तरह तालियां बजाने वालों की हमें कोई जरूरत नहीं है। कोई साधु मंच से कुछ बोल देगा और हमें हिजड़ों की तरह तालियां बजानी हैं? शिकायत में कहा गया है कि AAP गुजरात के अध्यक्ष का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अब भी उपलब्ध है। FIR के अनुसार, ये वीडियो जंगल में आग की तरह देश-विदेश में फ़ैल रहा है और गोपाल इटालिया के फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब हैंडलों से चारों तरफ फ़ैल रहा है। शिकायत के अनुसार, इस वीडियो को जानबूझ कर सिर्फ और सिर्फ हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाने के लिए बनाया गया है। इसीलिए, निवेदन किया गया है कि हिन्दुओं के हितों का ध्यान रखते हुए उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए। उनके बयान से कई पुजारियों और कथावाचकों ने नाराजगी जताई। हाल ही में वो सोमनाथ मंदिर का दर्शन करने पहुंचे थे, लेकिन लोगों के विरोध के कारण उन्हें वहाँ से भागना पड़ा। वहीं उन्होंने अब हिन्दू समाज से माफ़ी भी मांगी है। इटालिया ने बयान दिया था कि आम आदमी मेहनत करके खाता है लेकिन पुजारी, कथावाचक, लोगों को भविष्य बताने वाले लोग बैठे-बैठे लोगों को ठगते हैं। उन्होंने इसे 'धर्म का धंधा' बताया था। हालांकि, गोपाल इटालिया के ये बयान पुराने हैं। तब वो गुजरात में AAP के प्रदेश अध्यक्ष भी नहीं बने थे। उन्होंने अपने बयान में तब कहा था कि कथावाचक व पुजारी आम आदमी को धर्म का डर दिखाते हैं तथा उन से रुपए ऐंठते हैं। भाजपा के मीडिया प्रभारी यग्नेश दवे ने उनके वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड करके उन्हें हिंदू विरोधी बताया था। ये सब तब हो रहा है, जब दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया हाल ही में गुजरात दौरे से लौटे हैं।

मीन और कुंभ राशि वालों की मनोकामनाएं होंगी पूरी

आज आषाढ़ कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि और दिन गुरुवार है। चतुर्दशी तिथि आज पूरा दिन पूरी रात पार कर कल सुबह 5 बजकर 16 मिनट तक रहेगी। आज मास शिवरात्रि का व्रत किया जायेगा। आज दोपहर बाद 4 बजकर 20 मिनट तक वृद्धि योग रहेगा । साथ ही आज रात 8 बजकर 59 मिनट तक मृगशिरा नक्षत्र रहेगा। आज शाम 4 बजकर 18 मिनट तक स्वर्ग लोक की भद्रा रहेगी।

मेष- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है। आप अपने कार्यों में सफल होने की पूरी कोशिश करेंगे, लेकिन कोई तीसरा आपके काम में रुकावट डाल सकता है।

वृष-आज आपका दिन शानदार रहेगा। शाम तक घर में खुशी का माहौल बन सकता है। कुछ रिश्तेदार भी आपके घर पर आ सकते हैं। आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा । लवमेट के लिए आज का दिन मिठास से भरा रहेगा।

मिथुन -आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा । परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा । आप अपने सहपाठियों के साथ कहीं बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं। करियर में तरक्की के मामले में कुछ रूकावटें आ सकती है।

कर्क -आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आप किसी समारोह में जाने की

योजना बना सकते हैं ।

सिंह-आज आपका दिन सामान्य रहेगा । सोचे हुए ज्यादातर काम धीरे-धीरे करके पूरे होंगे । आप दोस्तों के साथ किसी खास मामले पर बातचीत कर सकते हैं । आर्थिक स्थिति को लेकर अभी भी थोड़ी संभाल कर रहने की जरूरत है।

कन्या-आज आपका दिन उत्तम रहेगा । रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात हो सकती है। दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश रहेंगे । ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है।

तुला-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको नये लोगों से जुड़ने का मौका मिल सकता है । किसी खास व्यक्ति से आपको कोई बड़ा फायदा हो सकता है । आपके कार्यों की प्रशंसा हो सकती है।

वृश्चिक-आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा । समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में कुछ दोस्तों के सहयोग से आपका प्रोजेक्ट पूरा होगा।

धनु-आज आपका दिन उत्तम रहेगा । रूके हुए कामों में आपको किसी मित्र की मदद मिल सकती है। साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है। आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आएंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे।

मकर-आज परिवार वालों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं । आपको किसी अजनबी से अपनी बातों को शेयर करने से बचना चाहिए । आपके कुछ कामों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप थोड़े परेशान भी हो सकते हैं।

कुंभ-आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा । अपनी काबिलियत से आप सभी काम को सरलतापूर्वक पूरा कर लेंगे । आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा।

मीन-आज आप अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगायेंगे । आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है। घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

4
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 8 जुलाई 2021 | 7009010789 - 94175-85949

नेहरू से वाया इंदिरा 15 मिनट हुई थी बात

सैंसर में अटक गई थी 'गंगा जमुना'

प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को भी अपना फैन बना लिया

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के चुनिंदा शुरुआती सुपरस्टार अभिनेताओं में से एक दिलीप कुमार अब हमारे बीच नहीं रहे। बॉलीवुड जगत में उनका 58 साल का करियर किसी सुनहरी याद जैसा है। आज जब हम बॉलीवुड पर 'खान की तीकड़ी को राज करता हुआ देखते है, तो यह बात जानना दिलचस्प है कि दिलीप कुमार इस तीकड़ी से बहुत पहले इंडस्ट्री के वह 'खान' बन गए थे जिन्होंने न केवल देश की जनता के दिलों पर राज किया बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को भी अपना फैन बना लिया। दरसअल, दिलीप कुमार का असली नाम 'यूसुफ खान' था जिनका जन्म पाकिस्तान के पेशावर में 11 दिसंबर, 1922 में हुआ था। उनके पिता चूंकि फिल्म और शो आदि के खिलाफ़ थे तो उन्होंने अपने पिता की 'पिटाई के डर' से अपना नाम 'दिलीप कुमार' रखा और इसके बाद फ़िल्मी जगत में उनका करियर आसमान छूता गया। वह समय के साथ आगे बढ़ते गए और तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के हीरो बनते गए।

कृष्ण मेनन के लिए नॉर्थ मुंबई सीट पर कैंपेन किया

1957 में नेहरू के तीनों पसंदीदा एक्टर्स ने उनकी इच्छा के अनुसार वीके कृष्ण मेनन के लिए नॉर्थ मुंबई सीट पर कैंपेन किया, लेकिन 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद तीनों ने मेनन से दूरियां बना ली। नतीजन 1967 में वह चुनाव हार गए। दिलीप कुमार ने शुरूआती दिनों में राजनीति से दूरी बनाए रखी लेकिन समाज के प्रति हितकारी कार्य करने के लिए हमेशा अग्रसर रहे। हाँ, मौका आने पर उन्होंने अपने करीबी राजनेाओं के लिए कैंपेन किया। 1994 में वह पीएम विश्वनाथ प्रताप सिंह के साथ रहे, फिर 1996 में उन्होंने राजस्थान अलवर में कॉन्ग्रेस प्रत्याशी के लिए कैंपेन किया और फिर 1999 में मनमोहन सिंह की कैंपेनिंग में नजर आए। 1996 के समय की रिपोर्ट् कहती हैं कि दिलीप को राजनीति में लाने के भरसक प्रयास हो रहे थे, जिसके कारण साल 2000 में वह राज्यसभा पहुंच गए। सत्ता में भाजपा थी। दिलीप भले ही सदन की कार्यवाही में नियमित तौर से भाग नहीं लेते थे लेकिन उन्होंने संसदीय कार्यवाही और विकास कार्यों दोनों में योगदान दिया।

...जब एक्टर ने अपनी फैन इंदिरा गांधी से लगाई गुहार

सन् 1961 की बात है दिलीप कुमार को इंडस्ट्री में कदम रखे दो दशक होने वाले थे और उनकी फिल्म गंगा जमुना रिलीज के लिए तैयार थी। लेकिन इस बीच सैंसर बोर्ड ने उस पर रोक लगा दी और कम से कम फिल्म में 250 कट मांगे। इसके बाद एक्टर ने अपनी फैन इंदिरा गांधी से मदद की गुहार लगाई और तात्कालीन पीएम नेहरू के साथ 15 मिनट की बात की और उसके बाद फिल्म रिलीज के लिए पास कर दी गई। इसी प्रकार दिलीप कुमार की बायोग्राफी 'स्टार लीजेंड ऑफ इंडियन सिनेमा- दि डेफिनिटिव बायोग्राफी' में लेखक बन्नी रुबेन ने उन्हें लेकर कई खुलासे किए हैं। किताब में बताया गया है कि कैसे 1950 में हिंदी फिल्मों में अश्लील दृश्यों को लेकर धर्मयुद्ध छेड़वाली कॉन्ग्रेस सांसद लीलावती मुंशी ने राज्यसभा में दिलीप कुमार के बालों को मुद्दा बना दिया था और कहा था कि इसका प्रभाव भारतीय युवाओं पर पड़ता है।

दिलीप कुमार को नेहरू का हीरो कहा...

लीलावती की आवाज का ही प्रभाव था कि सरकार सिनेमैटिक एक्ट 1959 में बदलाव करके फिल्मों से किसिंग सीन हटाने पड़े, लेकिन दिलीप कुमार के हेयरस्टाइल का कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया और जिस सदन में उन्हें 'युवाओं पर गलत छाप' छोड़ने वाला कहा गया था वह उसी सदन में कुछ साल बाद हिस्सा हो गए। साल 2000 में कॉन्ग्रेस ने उन्हें महाराष्ट्र से नॉमिनेट किया था जहां नेहरू काल में कभी लीलावती मुंशी सदस्य हुआ करती थी। इसके बाद एक किताब और आई, जिसमें अर्थशास्त्री व ब्रिटिश सांसद लॉर्ड मेघनाड देसाई ने दिलीप कुमार को नेहरू का हीरो कहा। किताब का नाम था, नेहरू हीरो दिलीप कुमार इन द लाइफ ऑफ इंडिया। एक रिपोर्ट के अनुसार नेहरू को दिलीप कुमार, राज कपूर, देव आनंद-तीनों अभिनेता बेहद पसंद थे। संयोग से ये तीनों आज के समय के पाकिस्तान में जन्मे थे और बाद में इन्होंने मुंबई में घर बनाया।